सीबीएसई कक्षा-10 हिंदी ब

टेस्ट पेपर-02

पाठ-16 पतझर में टूटी पत्तियां –रवीन्द्र केलेकर

निर्देश -

1. **सभी प्रश्न अनिवार्य है।**
2. **प्रश्न 1 से 3 एक अंक के है।**
3. **प्रश्न 4 से 8 दो अंक के है।**
4. **प्रश्न 9 से 10 पांच अंक के है।**

---

1. लेखक ने अपने मित्र से क्या पूछा?
2. 'पतझर में टूटी पत्तियां' पाठ में कितने प्रसंग हैं?
3. 'टी सेरेमनी' में लेखक का स्वागत किसने किया?
4. लेखक ने जापानियों के दिमाग में 'स्पीड' का इंजन लगने की बात क्यों कही है?
5. चाज़ीन ने चाय किस प्रकार पिलाई ?
6. औरतें गिन्नी के सोने से गहने क्यों बनवाती हैं ?
7. सभी क्रियाएँ इतनी गरिमापूर्ण ढ़ंग से कीं कि उसकी हर भंगिमा से लगता था मानो जयजयवंती के सुर गूँज रहे हों।–इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए |
8. आपके विचार से कौन से ऐसे मूल्य हैं जो शाश्वत हैं? वर्तमान समय में इन मूल्यों की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।
9. 'शुद्ध सोने में ताँबे की मिलावट या ताँबे में सोना', गांधीजी के आदर्श और व्यवहार के संदर्भ में यह बात किस तरह झलकती है? स्पष्ट कीजिए।
10. "हमारे जीवन की रफ्तार बढ़ गई है। यहाँ कोई चलता नहीं बल्कि दौड़ता है। कोई बोलता नहीं, बल्कि बकता है। हम जब अकेले पड़ते हैं तब अपने आपसे लगातार बड़बड़ाते रहते हैं।"-इस कथन का आशय क्या है ?

सीबीएसई कक्षा-10 हिंदी ब

टेस्ट पेपर-02

पाठ-16 पतझर में टूटी पत्तियां –रवीन्द्र केलेकर

(आदर्श उत्तर)

1. लेखक ने अपने मित्र से पूछा कि जापान के लोगों को कौन –सी बीमारी सबसे अधिक होती है?
2. 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' में दो प्रसंग हैं,गिन्नी का सोना तथा झेन की देन |
3. लेखक का स्वागत 'चाज़ीन ने किया |
4. जापानियों ने अमेरिका से प्रतिस्पर्धा के चक्कर में अपने दिमाग को और तेज दौड़ाना शुरु कर दिया ताकि जापान हर मामले में अमेरिका से आगे निकल सके। इसलिए लेखक ने जापानियों के दिमाग में 'स्पीड' का इंजन लगने की बात कही है।
5. जैसे ही चाय तैयार हुई तो चाजीन ने चाय को प्यालों में भरा और उसे तीनो मित्रों के सामने रख दिया। शान्ति को बनाये रखने के लिए वहाँ तीन व्यक्तियों से ज्यादा को एक साथ प्रवेश नही दिया जाता। प्याले में दो घूँट से ज्यादा चाय नहीं थी। वे लोग ओठों से प्याला लगाकर एक-एक बूँद कर डेढ़ घंटे तक पीते रहे।
6. शुद्ध सोना और गिन्नी का सोना अलग होता है। गिन्नी के सोने में थोड़ा-सा ताँबा मिलाया जाता है जिससे यह ज्यादा चमकता है और शुद्ध सोने से मजबूत भी हो जाता है इस कारण औरतें अक्सर इसी के गहने बनाती हैं।
7. यह पंक्ति चाजीन द्वारा चाय तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में है। चाजीन हर काम को एक तयशुदा विधि से बड़ी दक्षता के साथ कर रहा था। उसके हर क्रियाकलाप में इतना अच्छा तालमेल था कि लगता था कि मधुर संगीत बज रहा हो। यहाँ पर लेखक ने राग जयजयवंती का उदाहरण इसलिए दिया क्योंकि यह राग कुछ मुश्किल रागों में से है जिसपर महारत हासिल करने में संगीतकार को वर्षों लग जाते हैं।
8. आदर्शों के मूल्य शाश्वत हैं। आज की कड़ी प्रतिस्पर्धा वाली जिंदगी में अधिकतर लोगों को ऐसा लगने लगा है किआज आदर्श बेमानी हो गए हैं और व्यावहारिकता ही जीत की तरफ ले जाती है। लेकिन जो लोग वाकई सफलता के शिखर पर पहुँचे हैं, उनके उदाहरण से हम देख सकते हैं कि आदर्श का आज भी उतना ही महत्व है जितना पहले था।
9. गांधीजी ताँबे में सोना मिलाने वाले इंसान थे। इससे वे ताँबे की कीमत बढ़ा देते थे। वे व्यावहारिकता में आदर्शों को मिलाते थे। इसे समझने के लिए हम नमक आंदोलन का उदाहरण ले सकते हैं। आंदोलन का उद्देश्य था अंग्रजों को यहाँ की जनता की ताकत दिखाना। नमक एक मामूली सी चीज है लेकिन इसे हिंदुस्तान का हर आदमी रोज इस्तेमाल करता है। इससे हिंदुस्तान का हर अमीर गरीब प्रभावित होता है। नमक जैसी मामूली चीज को गांधीजी ने अपना हथियार बना लिया। जो अंग्रेज पहले गांधीजी के नमक आंदोलन की योजना पर हँस रहे थे, वे उस आंदोलन की सफलता को देखकर गांधीजी का लोहा मान गए थे।
10. यह टिप्पणी जापान की भागदौड़ भरी जिंदगी के बारे में है । आप किसी भी शहर की सड़कों पर सुबह 9 बजे नजर डालिए तो पता लगेगा कि हर कोई कहीं न कहीं भाग रहा है। लोग अत्यधिक तनाव में होने की वजह से बात बात पर झल्लाने लगते हैं। जापान में लोग अमेरिका से प्रतिस्पर्धा करने लगे हैं |एक महीने का काम एक दिन में करना चाहते हैं |मस्तिष्क की भी एक सीमा होती है |वे और तीव्र गति से भागना चाहते हैं |यही कारण है कि जापान के लोग मनोरुग्ण होते हैं और ऐसे समय में झेन की दे ही वरदान के रूप में जापान के लोगों को मिली है |